वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 28 | शनिवार 27 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

याद कृष्ण की आते ही मन वृन्दावन हो जाता है...

राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी की काव्य गोष्ठी में कवियों ने रचा ब्रज संस्कृति का सलौना संसार

जयपुर. कासं

झालाना स्थित अकादमी संकुल का परिसर शुक्रवार को ब्रह की अल्हड़ और सलौनी संस्कृति के रंग मे रंग गया। मौका था राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी की ओर से हर महीने आयोजित की जा रही काव्य गोष्ठी की पांचवीं कड़ी के आयोजन का। अकादमी के सचिव गोपाल लाल गुप्ता के संयोजन में आयोजित इस गोष्ठी में आए 18 वरिष्ठ और युवा कवियों ने अपनी एक-एक मौलिक रचना के अलावा अकादमी की ओर से आवंटित **'पावैगौ'** शब्द के जरिए समस्या पूर्ति के तहत सभी कवियों ने 'पावैगौ' शब्द के जरिए रोचक अंदाज में समस्या की पूर्ति की। ब्रज भाषा के वरिष्ठ कवि भूपेन्द्र भरपुर के संचालन में आयोजित इस काव्य गोष्ठी की शुरूआत भूपेन्द्र ने सरस्वती वंदना गाकर की। इसके बाद राजस्थानी भाषा के जाने-माने कवि गोपीनाथ गोपेश ने 'पावैगौ' शब्द से समस्या की पूर्ति करते हुए कन्या भ्रूण

हत्या का मार्मिक चित्रण करती रचना **'कैसौ करम कर डारो तैनै कन्या भ्रूण निकारो'** प्रस्तुत की। वरिष्ठ कवि वरुण चतुर्वेदी ने अपनी पैरौडीनुमा रचना 'बट्टी लाई है लाई है बट्टी लाई है' प्रस्तुत कर वहां मौजूद लोगों को हास्य रस की फुहार से सराबोर कर दिया। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता राजस्थान बाल साहित्य अकादमी के अध्यक्ष और गंगा जमुनी तहजीब के शायर इकराम राजस्थानी ने की। इकराम राजस्थानी की रचना 'छूकर बांसुरिया राधा का तन पावन हो जाता है, याद कृष्ण की आते ही मन वृन्दावन हो जाता है' में समाए भावों की लोगों ने जमकर प्रशंसा की। गोष्ठी के दौरान अकादमी के सचिव गोपाल लाल गुप्ता ने भी रोचक अंदाज में कोरोना मांहिं निश्चै ई ज्वर आवैगौ, चित्त अकेलौ चैन नायं फिर पावैगौ शब्द से समस्या की पूर्ति की। हिन्दी-राजस्थानी भाषा के एक और वरिष्ठ कवि किशोर जी किशोर ने भी इस मौके पर ब्रज भाषा में 'पावैगौ' शब्द की पूर्ति करते हुए अपनी रचना 'तिरंगा कों फारि देत, भारती को गारी देत, ऐसौ देश-द्रोही राग उलटौ सुनावैगो' के जरिए देश द्रोहियों पर तीखे व्यंग्य बाण चलाए। इस मौके पर राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण शर्मा ने भरतपुर से वीडिया कॉल के जरिए लोगों का अभिवादन करते हुए ब्रज भाषा की अपनी रचना पेश की। इस मौके पर डॉ. निशा पारीक, भगवान सहाय पारीक, संजय गोस्वामी, बनवारी लाल सोनी सहित प्रदेश के 18 युवा और वरिष्ठ कवियों ने इसी तरह 'पावैगौ' शब्द की पूर्ति करते हुए अपनी एक एक मौलिक रचनाए पेश की।

जयपुर का रामबाग पैलेस होटल दुनिया में नम्बर 1

190 साल पुराने महल को होटल में बदला गया था, अमिताभ बच्चन भी दीवाने

जयपुर. कासं

जयपुर की पहचान बन चुके होटल रामबाग पैलेस ने दुनिया के पसंदीदा होटल्स की सूची में पहला स्थान हासिल किया है। ट्रेवल कंपनी ट्रिप एडवाइजर की जारी लिस्ट में इंडिया से एकमात्र होटल को जगह मिली है और इसमें भी ताज ग्रुप का होटल रामबाग पैलेस पहले पायदान पर है। 12 महीने की अवधि में ट्रेवल एक्सपीरियंस और क्रिटिक्स की राय के आधार पर इसका चयन हुआ है। टॉप 20 होटल्स की लिस्ट में दुनियाभर के होटल्स है। इससे पहले भी रामबाग कई बार विश्वभर में टॉप रैंकिंग हासिल कर चुका है। हैरिटेज होटल्स में शामिल रामबाग जयपुर राजपरिवार से जुड़ा हुआ है और 190 साल पुराने महल को कई दशक पहले होटल के रूप में तब्दील किया गया था। इस लिस्ट में मालदीव के बोलिफुशी द्वीप पर स्थित ओजेन रिजर्व बोलिफुशी होटल दूसरे स्थान पर है, जबकि ब्राजील के ग्रामादों स्थित होटल कोलिन डि फ्रांस तीसरे स्थान पर मौजूद है। ट्रिपएडवाइजर के ट्रैवलर्स चॉइस अवार्ड 2023 में रामबाग पैलेस होटल को दुनिया का सबसे आलीशान होटल भी चुना गया है। यह पुरस्कार वेबसाइट पर आगंतुकों की तरफ से की गई टिप्पणियों के आधार पर दिया जाता है। रामबाग पैलेस को ज्वैल ऑफ जयपुर भी कहा जाता है। यह महल कभी जयपुर के राजपरिवार का निवास स्थान रहा है। इसे साल 1835 में बनाया गया

था। साल 1925 में रामबाग पैलेस जयपुर के महाराजा का परमानेंट रैजीडेंस बन गया। गायत्री देवी भी यहीं पर रहा करती थी। यहां पर आज भी राजाओं के कक्ष को महाराज सुईट के रूप में संभालकर रखा हुआ है। इसके आर्किटेक्चर को उसी अंदाज में रखा गया है। इसमें हाथ से नक्काशीदार संगमरमर जाली काम को देखा जा सकता है। बलुआ पत्थर के बेलस्ट्रेड्स, कपोल और 'छतरियां' या सेनेटाफ और मुगल गार्डन अपने वैभव की कहानी कहता है। यहां सुवर्णा महल में एक शाही भारतीय दावत का लुत्फ देश-विदेश के लोग रोज उठाते है। 18वीं शताब्दी की फ्रांसीसी शैली में विशाल क्रिस्टल झूमर बॉलरूम में आज भी डिस्प्ले है। इसके अलावा यहां जयपुर पोलो टीम की ट्राफियां और यादगार वस्तुओं के साथ लोग राजपरिवार से जुड़ाव महसूस कर पाते है। होटल में लॉर्ड लुइस माउंटबेटन, प्रिंस चार्ल्स और जैकलीन कैनेडी जैसे बड़े मेहमानों की मेजबानी भी की है।

लिस्ट में किसको कहां मिली जगह...

रामबाग होटल, जयपुर
ओजेन रिर्जव, बोलीफूसी, मालदीव्स
होटल कॉलिन दे फ्रांस, ब्राजिल
शांगरी-ला द शार्ड लंदन
द रिट्ज कार्टन, हॉन्गकॉन्ग
जेडब्ल्यू मैरियट, दुबई
रोमांस इस्तांबुल, टर्की
आइकोस दासिया, ग्रीस
आइकोस एंडालुसिया, स्पेन
पदमा रिसॉर्ट, उबूध, इंडोनेसिया
वारू बाय एटमोसफियर, मॉलदीव्स
सनराइज एटीट्यूट, अफ्रीका
वॉएज, सॉरगुन, टर्की
एडिवाना सुईटा, इंडानेशिया
आइकोस एरिया, ग्रीस
ला सिन्फोनिया देल रे होटल एंड स्पा, वियतनाम
तुलेमार बुन्गालोज एंड विलाज, कॉस्टा रिका
बुकुटी एंड तारा बीच रिसॉर्ट अरूबा
निक्की बीच रिसॉर्ट एंड स्पा, दुबई
कोरपो सेंटो लिसबॉन हिस्टोरिकल होटल पुर्तगाल
सीक्रेट्स मारोमा बीच रिवीरा केनकन, मेक्सीको
एटलायर प्लाया मुजेरस, मैक्सीको
होटल माल्टे एस्टोटेल, फ्रांस

पहली बार विदुषियों द्वारा दिए गए धार्मिक संस्कार

11 दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्थान शिक्षण शिविर का समापन एवं सम्मान समारोह रविवार को भट्टारक जी की नसियां में, 50 से अधिक जैन मंदिरों में लगे शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अन्तर्गत संचालित संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल एवं संयुक्त महिला संभाग के तत्वावधान में संस्थान के 26 वर्षों की संपूर्ति के अवसर पर आयोजित 11 दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन एवं सम्मान समारोह रविवार,28 मई को होगा। मुख्य संयोजक उत्तम चन्द पाटनी एवं शीला डोड्या ने बताया कि भट्टारक जी की नसियां के तोतूका सभागार में रविवार को सायंकाल 7.00 बजे से आयोजित होने वाले इस समारोह में व्रति श्राविका शिरोमणि सुशीला पाटनी,शांता पाटनी,तारिका पाटनी (आर के मार्बल) किशनगढ़, समाजसेविका कांता बज,शिप्रा जैन,कांता सोगानी,महताब देवी मुशरफ,आशा लुहाड़िया,सुमन सोगानी, संतोष पाटनी गौरवमयी अतिथि होंगे। संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं छात्रावास की अधिष्ठात्री शीला डोड्या एवं निदेशिका डॉ वन्दना जैन ने बताया कि जिनवाणी पुरस्कार डॉ रवि लता जैन की ओर से दिए जाएंगे।

महिला महासमिति राजस्थान अंचल की शालिनी बाकलीवाल एवं विनिता बोहरा ने बताया कि पहली बार इन शिक्षण शिविरों में संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय की विदुषियों द्वारा बच्चों, युवाओं,महिलाओं एवं पुरुषों सहित हजारों श्रावकों को अध्ययन एवं ज्ञान के माध्यम से संस्कारित किया गया।

जयपुर शहर के 50 मंदिरों सहित पूरे प्रदेश के विभिन्न शहरों के दिगम्बर जैन मंदिरों में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से जिन धर्म की प्रभावना की गई। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद एवं मुनि पुंगव सुधा सागर महाराज की प्रेरणा से आयोजित इन शिविरों के माध्यम से धर्म का प्रचार प्रसार किया गया। अध्यक्षा रेणु राणा एवं उपाध्यक्षा नीना पहाड़ियां ने बताया कि संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय लौकिक एवं धार्मिक प्रशिक्षण युक्त सघन शिक्षा द्वारा आर्षमार्गी आगमनिष्ठ विदुषियों को तैयार करने वाली विश्व की एक मात्र संस्था है। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इन शिविरों में जैन धर्म शिक्षा भाग प्रथम एवं द्वितीय,छहढाला, द्रव्य संग्रह,इष्टोपदेश, तत्त्वार्थसूत्र, भक्तामर स्तोत्र, रत्नकरण्डक श्रावकाचार व अन्य ग्रन्थों का अध्ययन करवाया गया। श्री जैन ने बताया कि प्रत्येक मंदिर से प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले श्रावकों की पुनः परीक्षा ली गई, जिसमें प्रथम आने वाले शिक्षार्थी को पण्डित रतन लाल बैनाडा की स्मृति में रत्नाकर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इन शिविरों में किताबी ज्ञान के अलावा खेल खेल में जीवनोपयोगी एवं ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई। जैन धर्म के सिद्धांत त्याग एवं संयम की भावना अनुसार श्रावकों को प्रतिदिन एक नियम एवं त्याग दिलाया गया। शिविर में अल्पाहार में जमीकंद एवं अभक्ष्य वस्तुओं तथा रात्रि में अन्न की सामग्री वितरित नहीं की गई । शिविरार्थियों को उत्साह वर्धन हेतु प्रतिदिन प्रभावना वितरित की गई। श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल द्वारा शिविर जयपुर के 50 जैन मंदिरों सहित किशनगढ़, अजमेर, दूदू, ब्यावर, नसीराबाद, कुचामन,सांभर, फुलेरा, केकड़ी, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, सवाईमाधोपुर, बूंदी, आवां, चांदखेड़ी, जोधपुर आदि स्थानों पर आयोजित किए गए। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोड्या ने बताया कि शिविर के लिए मंजू जैन,नीता जैन, कांता जैन, नीना गदिया, तारामणि जैन,आशा अग्रवाल, अंजना जैन, मैना जैन, रचना बाकलीवाल, किरण जैन, चंदा सेठी ने संयोजक के रूप में अपनी सेवाएं दी।

विनोद जैन कोटखावदा
प्रचार संयोजक
@ 90575 55542

विधानाचार्य पं. दीपक कुमार जैन शास्त्री

मोबाइल: 99286-12677

- पचंकल्यांक प्रतिष्ठा महोत्सव।
- वेदी प्रतिष्ठा, वेदी शिलान्यास।
- जैन विधि, अनुसार फेरे, ग्रहप्रवेश।
- नीवं मुहूर्त, व्यापार पूजन, दिपावली पूजन।
- दशलक्षण महापर्व, अष्टानिक महापर्व।
- समस्त विधान-सामाग्री सहित, संगीत सहित, मण्डल मांडला सहित।
- विशेष:- हमारे द्वारा विधान का मण्डल एवं पुजारी की व्यवस्था भी करवाई जाती है।
- यह सम्मान हमारा नहीं माता जिनवाणी का है।
- हमारे यहां समस्त प्रकार के विधानों की मंदिर की

डब्ल्यूएचओ व मेडिकल नहीं कर पाए वह योग से हो गया : योग ऋषि स्वामी रामदेव

योग ऋषि स्वामी के सानिध्य में योग चिकित्सा एवं ध्यान शिविर आज से आदित्य विहार में

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

20 लाख से अधिक किलोमीटर की यात्रा करके दुनिया के 200 देशों व करोड़ों लोगों तक योग को पहुंचाने वाले राष्ट्र जागरण के पुरोधा, जागरण के देवता योग ऋषि परम पूज्य स्वामी रामदेव शुक्रवार शाम चार्टर प्लेन से भीलवाड़ा पहुंचे। भीलवाड़ा आगमन पर हमीरगढ़ हवाई पट्टी पर आयोजन समितियों सहित कई प्रबुद्धजनों की ओर से उनका भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। भीलवाड़ा पहुंचने के बाद स्वामी रामदेव ने मंगरोप रोड स्थित एक निजी होटल में पत्रकारों को संबोधित किया। पत्रकारों से आह्वान किया कि अपनी लेखनी के माध्यम से इस शिविर को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए योग ऋषि स्वामी रामदेव महाराज ने कहा कि उन्होंने 50 वर्षों में योग को जिया है। 35 वर्षों से सार्वजनिक रूप से योग सिखा रहे हैं। हर घर तक योग को पहुंचाया है। कुछ लोग कभी-कभी, तो कुछ सप्ताह में एक बार और कुछ रोज योग कर रहे हैं। कोरोना में योग करने वाले लोगों की संख्या काफी बढ़ी है। 177 देशों ने योग को स्वीकारा है और इसे हितकारी बताया है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा पाकर 177 देशों ने योग का समर्थन किया है। योग ऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि उनके द्वारा योग शब्द बोलते ही लाखों किलोमीटर की यात्रा का दृश्य उन्हें नजर आता है। जो कार्य डब्ल्यूएचओ व मेडिकल नहीं कर पाए वह योग से हो गया। बीपी व शुगर का पूरा निदान योग में है। थायराइड अर्थराइटिस भी इससे दूर हो रहे हैं। हार्ट ब्लॉकिज, 80% फेफड़े खराब हो गए उन्हें भी योग से सही किया जा रहा है। फेल किडनियो को योग व आयुर्वेद से सही किया जा रहा है ।लाखों लोगों को किडनी ट्रांसप्लांट से बचाया जा रहा है। बाईपास एंजोप्लास्टि व पेसमेकर से बचाया जा रहा है। 1 से 2 माह में योग के माध्यम से ट्रांसप्लांट से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग सबके लिए है। हमारा प्रयास रहेगा कि हम 3 दिनों में योग से लोगों को हर रोग से निजात दिलाये। योग से सकारात्मक सोच विकसित होती है। योग के साथ हमने आयुर्वेद व स्वदेशी को भी ऊंचाई पर पहुंचाया है। स्वामी रामदेव ने कहा कि वह अनपढ़ मां-बाप के घर पैदा हुए और हरिद्वार से संकल्प के साथ यात्रा करते हुए यहां तक पहुंचे। उन्होंने बच्चों में योग करने की आदत डालने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों की नकारात्मकता दूर होगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि 3 दिनों में भीलवाड़ा योगमय होगा। भारत माता की संतान होने का गौरव सभी के भीतर रहे। वह 18 घंटे योग करते हैं।

विश्व हाइपरटेंशन दिवस 2023 के उपलक्ष्य में

नि: शुल्क परामर्श एवं जांच शिविर रविवार को-वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ डी के गर्ग देंगे सेवाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व हाइपरटेंशन दिवस 2023 के उपलक्ष्य में रविवार,28 मई को मुहाना मण्डी रोड पर निः शुल्क परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया है। ऋषभ सेवा संस्थान जयपुर के मानद् सचिव एवं समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि डॉ डी के गर्ग एवं डॉ सोनिया गर्ग देवीनिया मल्टीस्पेशलिटी क्लीनिक के सौजन्य से रविवार को प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक मानसरोवर में मुहाना मण्डी रोड पर प्लाट नंबर 5, इस्कान टेम्पल रोड पर आयोजित इस निः शुल्क परामर्श एवं जांच शिविर में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ डी के गर्ग अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में बी पी,ब्लड शुगर,लिपिड प्रोफाइल, क्रिएटिनिन आदि निः शुल्क जांचें की जाएगी। अन्य जांचों पर 50 प्रतिशत छूट दी जाएगी। श्री जैन ने बताया कि शिविर में धड़कन कम-ज्यादा होना,सीने में दर्द,सीने में जलन, उच्च रक्तचाप (बी पी), घबराहट होना,शुगर कम-ज्यादा होना आदि रोगो का परामर्श दिया जाएगा।

नवीन संसद भवन के उद्घाटन समारोह में डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव करेंगी 'जैन धर्म' का प्रतिनिधित्व

राजेश जैन दद्दू इंदौर. शाबाश इंडिया

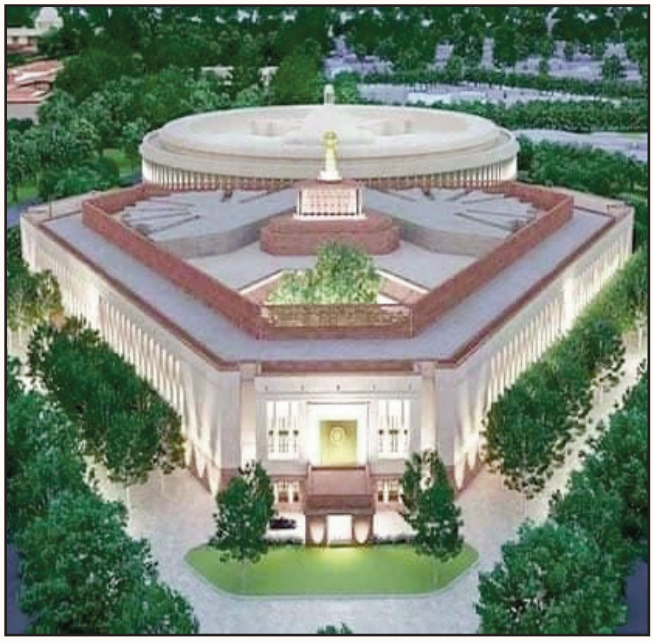

दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सानिध्य में दिल्ली में आयोजित **'नवीन संसद भवन'** के ऐतिहासिक उद्घाटन समारोह में 28 मई 2023 को सुबह 9 बजे से 9.30 तक आयोजित 'सर्वधर्म प्रार्थना सभा' में जैनधर्म का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ० इन्दु जैन राष्ट्र गौरव जन-जन के कल्याण के लिए विशेष प्रार्थनाएं करेंगीं। आप जैनदर्शन, प्राकृत भाषा के प्रसिद्ध विद्वान प्रो. फूलचन्द जैन 'प्रेमी' एवं विदुषी डॉ. मुन्नी पुष्पा जैन,वाराणसी की सुपुत्री तथा समाजसेवी श्री राकेश जैन की धर्मपत्नी हैं। आप जैनधर्म-दर्शन-संस्कृति, प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी-अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य, ब्राह्मी लिपि, शाकाहार तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण-संवर्धन के लिए राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रूप में निरंतर प्रचार-प्रसार का कार्य कर रहीं हैं। डॉ. इन्दु को अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। ज्ञातव्य है कि आपने नवीन संसद भवन के भूमि पूजन पर भी जैन धर्म का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व करते हुए सर्वप्राचीन प्राकृत एवं संस्कृत भाषा में प्रार्थना की थी एवं पुनः नवीन संसद भवन में जैन प्रार्थना के स्वर गूँजेंगे। और जैन समाज गौरवान्वित होगा

वेद ज्ञान

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

मनुष्य को अपने प्रत्येक कार्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। कोई भी कार्य छोटा-बड़ा नहीं होता, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि कार्य के प्रति हमारी मनोदशा कैसी है। यदि हम कोई छोटा कार्य कर रहे हैं, लेकिन हम उसके प्रति पूर्ण मनोयोग से समर्पित हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं तो वह कार्य भी हमारे लिए अतिमहत्वपूर्ण हो जाएगा। कार्य की सफलता की नींव हमारी सकारात्मक सोच पर निर्भर है। स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि इस दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं। आप जो चाहते हैं वह आपको मिल सकता है, बशर्ते पहले आप कुछ चाहें तो। असल में ज्यादातर लोगों को अपनी सफलता पर संशय रहता है। उन्हें असफलता का भय सताता है और इस वजह से वे कोशिश तक नहीं करते। जब तक असफलता का भय हमारे दिमाग में बैठा रहता है तब तक हमारी सफलता संदिग्ध ही रहती है, लेकिन जब हम इस भय से ऊपर उठ जाते हैं तब हम निर्भीक होकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। कोशिश करने वाले की कभी हार नहीं होती। यदि आप उन लोगों के बारे में जानेंगे जिन्होंने अपने जीवन में बड़े काम किए हैं तो मालूम होगा कि वे लोग सफलता हासिल करने के लिए असफलता का खतरा उठाने से नहीं डरे। असफलता ही हमें सफलता का राज बताती है। कई बार अपनी सफलता के प्रति हम इसलिए भी आश्वस्त नहीं होते, क्योंकि हम अपनी तुलना दूसरों से करने लगते हैं। जीवन में कभी भूलकर भी किसी से अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि आप जैसे हैं इस सृष्टि में सर्वश्रेष्ठ और अद्वितीय हैं। ईश्वर की हर रचना अपने आप में सर्वोत्तम और अद्भुत है। महान व आदर्श कार्य करने के लिए आपको इस बात में विश्वास करना होगा कि आप सर्वश्रेष्ठ हैं और आप बहुत कुछ कर सकते हैं। इसका आपके अचेतन मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब हम अपनी सोच बदलते हैं तो हमारी दुनिया ही बदल जाती है। मनुष्य की सफलता-असफलता उसके विश्वासों और विचारों पर ही निर्भर करती है। जब एक ही विचार को हम कई बार दोहराते हैं तो हमारी सोच भी वैसा ही रूप ले लेती है और फिर वही विचार आगे चलकर विश्वास में बदल जाते हैं।

संपादकीय

आस्ट्रेलिया और भारत के संबंध अब नए दौर में...

आस्ट्रेलिया बंगलुरु में नया महावाणिज्य दूतावास खोलेगा, जिससे दोनों देशों को कारोबार और आधुनिक तकनीकी साझा करने के मामले में मदद मिले। इसके अलावा, जी-20, व्यापार और रक्षा क्षेत्र के साथ-साथ सैन्य सहयोग बढ़ाने को लेकर बातचीत जिस ओर बढ़ी है, उसे बदलते विश्व में एक जरूरत के तौर पर भी देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आस्ट्रेलिया यात्रा को कई लिहाज से बेहद अहम माना जा सकता है। दुनिया भर में भारत की अहमियत को जिस रूप में दर्ज किया जा रहा है, उसमें स्वाभाविक ही आस्ट्रेलिया के साथ कारोबार से लेकर कूटनीति तक कई स्तरों पर परस्पर संबंधों के मजबूत होने की जमीन और पुख्ता हुई है। इस बीच एक अहम पहलू यह भी रहा कि पिछले कुछ समय से आस्ट्रेलिया में अराजक तत्त्वों की ओर से मंदिरों पर होने वाले हमलों को लेकर लगातार चिंता बढ़ रही थी, उस पर भारत ने सख्त आपत्ति दर्ज की। हालांकि आस्ट्रेलिया का स्थानीय प्रशासन इस मसले

पर कानूनी कार्रवाई करता दिखा, लेकिन ऐसी कई घटनाओं से यही लग रहा था कि संभवतः किसी संगठन या समूह की ओर से मंदिरों पर हमलों को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया जा रहा है। इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के सामने यहां तक कहा कि ऐसी हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी, जिससे आपसी रिश्तों को नुकसान हो। यानी एक तरह से भारत ने इस मसले पर स्पष्ट रुख अख्तियार किया है। शायद यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को इस बात का भरोसा देना पड़ा कि वहां मंदिरों पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि आस्ट्रेलिया में पिछले कुछ महीनों के दौरान मंदिरों पर हमले की घटनाओं में तेजी देखी गई। इस क्रम में कई अलग-अलग मंदिरों पर हमले किए गए, तोड़फोड़ की गई, भारत को लक्षित करके आपत्तिजनक नारे लिखे गए। इस तरह की गतिविधियों का आरोप वहां गोपनीय तरीकों से काम करने वाले खालिस्तान समर्थक समूहों पर लगा। लेकिन हैरानी की बात है कि कानून-व्यवस्था और प्रशासन की कसौटी पर बेहतर माने जाने वाले देश में इस तरह की अवांछित गतिविधि को अंजाम देने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई में कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिली। जबकि आज आधुनिक तकनीकी से लैस सुरक्षा व्यवस्था के दौर में सरेआम अराजक गतिविधियों को अंजाम देकर आसानी से बच निकलना किसी के लिए भी मुश्किल है। हालांकि ऐसे हमलों के बाद आस्ट्रेलिया की ओर से खालिस्तान समर्थकों की आलोचना की गई थी, लेकिन अगर किन्हीं हालात में ऐसी हरकतें करने वाले बचे रहते हैं तो इसमें शासन की उदासीनता या लापरवाही मुख्य कारण होती है। इस लिहाज से देखें तो मंदिरों पर हमले के संदर्भ में भारत की ओर से प्रधानमंत्री ने जिस तरह स्पष्ट भाषा में आपत्ति दर्ज की, वह वक्त की जरूरत है। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत के साथ परस्पर संबंधों को मजबूत बनाने की अपेक्षा करने के साथ-साथ आस्ट्रेलिया अपने यहां अराजक तत्त्वों को काबू में करने और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने को लेकर शिथिलता नहीं बरतेगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अनचाहे विज्ञापन

आज देश के ज्यादातर लोगों के पास मोबाइल या स्मार्टफोन है और वे इसका उपयोग न केवल बातचीत, बल्कि इंटरनेट आधारित कामकाज और पैसों के लेनदेन जैसी संवेदनशील गतिविधियों के लिए भी करते हैं। इसके अलावा, लोगों के मोबाइल नंबर से उनके आधार नंबर या पहचान पत्र सहित बैंक खाता आदि ज्यादातर संवेदनशील दस्तावेज भी जुड़ गए हैं। बाजार में खरीदारी करते हुए दुकानदार ग्राहकों के मोबाइल नंबर भी मांगते हैं और उसे अपने बिल जैसे दस्तावेज के लिए जरूरी बताते हैं। लेकिन बाद में उसका इस्तेमाल विज्ञापन या कारोबार के विस्तार के लिए होने लगता है। इस तरह की शिकायतें पहले भी आती रही हैं। इससे होता यह है कि एक सामान्य ग्राहक नंबर देने के बाद कई तरह की उलझन भरी स्थितियों का सामना करने लगता है। अक्सर उसके फोन पर किसी चीज की बिक्री या सेवा से संबंधित विज्ञापन के संदेश भेजे जाने लगते हैं तो कभी कुछ खरीदने-बेचने को लेकर नाहक ही फोन आते हैं। यह सिर्फ कारोबारी पहलू है। लेकिन आज मोबाइल नंबर केवल सुनने या संदेश पढ़ने तक का जरिया नहीं रह गए हैं, बल्कि इंटरनेट से जुड़े स्मार्टफोन अब व्यक्ति के लिए एक संवेदनशील यंत्र हो चुका है, जिसमें उससे संबंधित कई जरूरी जानकारी दर्ज रहती है। उसके जोखिम में पड़ने से उसे कोई बड़ा नुकसान हो सकता है, उसकी निजता प्रभावित हो सकती है। हालांकि भारत में ग्राहकों को अपना बिल बनवाने के लिए खुदरा विक्रेताओं को अपना मोबाइल नंबर देना अनिवार्य नहीं है। लेकिन हालात ऐसे बन गए हैं कि किसी सामान की खरीदारी के दौरान बिना किसी जरूरत के भी लोगों को अपना मोबाइल नंबर दुकानदार को देना पड़ता है। इसके बहुस्तरीय जोखिम को देखते हुए अब उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने खुदरा विक्रेताओं को कुछ सेवाएं देने के लिए ग्राहकों के व्यक्तिगत संपर्क विवरण या फिर मोबाइल नंबर लेने पर जोर नहीं देने का निर्देश दिया है। दरअसल, ग्राहकों की ओर से यह शिकायत दर्ज कराई जा रही है कि अगर वे खुदरा विक्रेता को अपना संपर्क नंबर साझा करने से इनकार करते हैं तो उन्हें वे सेवाएं देने से मना कर देते हैं। जबकि यह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत एक अनुचित और प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथा है और जानकारी इकट्ठा करने के पीछे कोई तर्क नहीं है। सच यह है कि आधुनिक तकनीकी का जैसे-जैसे विस्तार हो रहा है, उससे जुड़ी जटिलताएं भी सामने आ रही हैं। आज देश के ज्यादातर लोगों के पास मोबाइल या स्मार्टफोन है और वे इसका उपयोग न केवल बातचीत, बल्कि इंटरनेट आधारित कामकाज और पैसों के लेनदेन जैसी संवेदनशील गतिविधियों के लिए भी करते हैं। इसके अलावा, लोगों के मोबाइल नंबर से उनके आधार नंबर या पहचान पत्र सहित बैंक खाता आदि ज्यादातर संवेदनशील दस्तावेज भी जुड़ गए हैं। जाहिर है, अगर किसी का मोबाइल नंबर अब किसी खुदरा विक्रेता के हाथ में जाने के बाद डेटा कारोबार का हिस्सा बन जाता है, तो उसके जरिए साइबर धोखा हो सकता है, व्यक्ति को अनचाहे विज्ञापन जगत की गतिविधियों का निशाना बनना पड़ता है। इसका दायरा जिस स्तर तक फैल चुका है, उसमें कहा जा सकता है कि व्यक्ति का मोबाइल नंबर अब उसकी सुविधाओं के साथ-साथ परेशानियों की वजह भी बन रहा है।

एक दिवसीय एक्यूप्रेशर सम्मेलन आयोजित

पटना. शाबाश इंडिया। एक्यूप्रेशर दिवस के अवसर पर चिकित्सकों का सम्मेलन पटना में आयोजित हुआ। इस में मंच पर केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे,मंत्री संजय कुमार झा,पूर्व चिकित्सा मंत्री मंगल पांडे,उद्योग मंत्री संजीव कुमार महासेठ, डा पीयूष त्रिवेदी विधानसभा जयपुर, डा प्रकाश बरनवाल प्रो श्रीलंका, चेयरमैन बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज डा अजय प्रकाश बरनवाल उपस्थित रहे । इनके द्वारा आज 30 वा राष्ट्रीय एक्यूप्रेशर एक्यूपंचर सम्मेलन का आयोजन अधिवेशन भवन, विधानसभा सचिवालय,बिहार में हुआ। 300 से अधिक चिकित्सक देश विदेश से इस समारोह में शामिल हुए। अपनी विधा में डा पीयूष त्रिवेदी और डा रघु बीर सिंह राज विधानसभा को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया।

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी का भैंसलाना से हुआ मंगल विहार

भैंसलाना से विहार कर मंडा भीमसिंह में हुआ मंगल प्रवेश

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। जैन आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी का शुक्रवार को भैंसलाना से मंगल विहार मंडा भीमसिंह के लिए हुआ।जैन समाज के राजकुमार पाटनी ने बताया कि आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी का गुरुवार को भैंसलाना में मंगल प्रवेश हुआ था और शुक्रवार को भैंसलाना से मंडा भीमसिंह के लिए मंगल विहार हुआ।विहार से पूर्व माताजी ने भैंसलाना के श्री दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन किए।इस दौरान मुकेश पाटनी, पंकज जैन, सुभाष पाटनी, अनिता जैन, सिमरन जैन, ममता जैन, सिम्पल पाटनी आदि मौजूद रहे।

धर्म को धारण कर मानव जीवन को सार्थक करे: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लिया आशीष

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जगत परिवर्तनशील है पर्यावरण पानी की उपेक्षा का परिणाम देख रहे हैं भोग रहे हैं। पानी सबके लिए जरूरी है विश्व में भारत की जनसंख्या बहुत अधिक है पानी का महत्व समझने की जरूरत है पानी का सदुपयोग करें। अभी पानी का दुरुपयोग हो रहा है। यह मंगल देशना पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ने सेक्टर 4 में मंगल प्रवेश के समय आयोजित धर्म सभा में प्रकट की। ब्रह्मचारी गजू भैय्या राजेश पंचोलिया इंदौर अनुसार आचार्य श्री ने उपदेश में आगे बताया कि उदयपुर झीलों की नगरी है साथ ही जिनालय की भी नगरी है नगर के प्राचीन मंदिरों के स्थान पर उप नगरों में नए जिनालय बन रहे हैं ।जिनालय से जीवन का उत्थान होता है जिनालय धर्म की शिक्षा देते हैं धर्म संपूर्ण सुख को देने वाला है ।आपके लौकिक जीवन में मित्र भी होते हैं शत्रु भी होते हैं सच्चा मित्र जीवन में सुख का मार्ग दिखाता है धर्म आपका सच्चा मित्र है वह सुख का मार्ग दिखाता है। भौतिक सुख पुण्य से मिलता है कर्मों के बंध के कारण दुख उठा रहे हैं संसार में जैसा कार्य करेंगे वैसा फल मिलेगा इसलिए धर्म को मित्र बनावे तभी आत्मा सुखी होगी भगवान द्वारा बताए धर्म को धारण करें ।आचार्य श्री ने बताया कि धर्म को धारण करने का पुरुषार्थ कर मनुष्य जीवन को मंगलमय बनाकर मानव जीवन को सार्थक करें।

पहले हिंसा से देश या राज्य का परिवर्तन होता था किंतु वर्तमान में अहिंसा से देश का परिवर्तन होता है : शेखावत

इसके पूर्व केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया । धर्म सभा में पर्यावरण प्रकृति जल का संरक्षण सहयोग एवम योगदान करने का आव्हान किया। गजेंद्र सिंह शेखावत केंद्रीय जल मंत्री भारत सरकार ने कहा कि मुझे सूचना मिली की जैन आचार्य श्री वर्धमान सागर जी उदयपुर में प्रवास कर रहे हैं तो मैं बगैर बुलाए अतिथि बनकर गुरुदेव के दर्शन हेतु आ गया ।केंद्रीय मंत्री ने बताया कि आचार्य श्री के साथ देश की ज्वलंत विषयों पर चर्चा कर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने धर्म सभा में उपस्थित समुदाय से देश के पर्यावरण और पानी के उपयोग में सावधानी की जरूरत का महत्व बताया । उन्होंने कहा कि पहले हिंसा से देश या राज्य का परिवर्तन होता था। किंतु वर्तमान में अहिंसा से देश का परिवर्तन होता है। धर्म सभा में मीना जैन के मंगलाचरण पश्चात आचार्य शांतिसागर जी एवं पूर्व आचार्यों के चित्र का अनावरण एवम् दीप प्रज्जवलन केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत , शांतिलाल वेलावत, राकेश सेठी कोलकाता, राजेश पंचोलिया इंदौर ,ब्रह्मचारी गज्जू भैया, परमीत जैन ,हेमराज मालवी, झमकलाल अखावत ने किया।आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन एवम्‌ जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य नाथूलाल खालुदिया ,रमेश जैन पार्षद एवम अन्य ने किया। संचालन राजेंद्र अखावत एवम गौरव गनोंदिया ने किया। तथा श्री पार्श्व नाथ मंदिर के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 28 से 30 मई तक आयोजित कार्यक्रम की जानकारी दी।

संकलन:
अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

राजनीति मे धर्म का समावेश होगा तभी राष्ट्र का उत्थान हो सकता है : प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

सोजतसिटी। राजनीति मे धर्म का समावेश नही होगा तो राष्ट्र का उत्थान नही हो सकता है ।प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज युवा प्रणेता महेशमुनि, बालयोगी अखिलेश मुनि तथा विदुषी महासती आनन्द प्रभा,डॉक्टर प्रीतिसुधा,डॉ चन्द्रप्रभा,नव दीक्षीता सयंम सुधा आदि संतो व साध्वी मंडल से चैयरमैन प्रतिनिधि जुगलकिशोर निक्कुम ने श्री मरूधर केसरी गुरू सेवासमिती मे आशीर्वाद लिया इसदौरान सुकनमुनि महाराज ने कहां कि राजनीति मे स्वार्थ नही होगा तभी देश उन्नति कर पाएगा ।विश्व मे धर्म ही ऐसा मार्ग है जिससे व्यक्ति अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त करके साथ राष्ट्र निर्माण मे भूमिका अदा करके राष्ट्र की समस्याये सुलझाई जा सकती है ।इस दौरान गुरू सेवा समिती ओर से जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष ललित पंगारिया, विकास धोका तथा जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष प्रवीण बोहरा सोहनलाल कोरिमूथा आदि सभी ने गुरूभगवंतो के सानिध्य चैयरमैन प्रतिनिधि निक्कुम का सम्मान किया।

समाजसेवा के क्षेत्र में राजीव कश्यप राष्ट्रीय रत्न से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

खनन व्यवसाय, प्रमुख समाजसेवी व विप्र चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव कश्यप को समाजसेवा के क्षेत्र में राष्ट्रीय रत्न से सम्मानित किया गया। कश्यप को यह सम्मान को देहरादून में आयोजित ऑल इंडिया कॉन्फ्रेंस ऑफ इंटेलेक्चुअल्स के 45वें वार्षिक समोरोह में केन्द्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री रामदास अठावले,उत्तराखंड से भाजपा के देहरादून विधायक खज्जनदास, हाईकोर्ट जज उत्तराखंड जज व लॉ कमिश्नर राजेश टंडन आदि ने प्रदान किया। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट के वकील एडवोकेट प्रकाश शर्मा, नीति आयोग की सदस्य अर्चना जैन,हिमालय वेलनेस के चेयरमैन डॉ.एस फारूक, योजना आयोग के पूर्व डिप्टी आयुक्त विनय रोहिल्ला सहित सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के वकील सहित लोग मौजूद रहे। सम्मान ग्रहण के बाद खनन व्यवसायी राजीव कश्यप ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की शिक्षा,विवाह आदि में निरंतर सहयोग करते रहते है। भविष्य में वे इस वर्ग के लिए सदैव सहयोग करते रहे। खनन व्यवसाय से जुड़े कश्यप ने यह भी बताया कि पिछले 9 वर्षों से राजस्थान, मध्यप्रदेश व हरियाणा में यह व्यवसाय सफलतापूर्वक कर रहे हैं। वर्तमान में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ,राजस्थान के युवा प्रदेशाध्यक्ष सहित संस्थाओं से जुड़कर समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

पावन धाम में आयोजित नव दिवसीय अपूर्व धर्मोत्सव मे 29 मई को होगी मूर्तियों की प्रतिष्ठा

श्रीहरि हरात्मक महायज्ञ में यज्ञ आचार्य ने दिलवाई 1 लाख 21 हजार आहुतियां

विराटनगर. शाबाश इंडिया। श्री पंच खंडपीठ भीम गिरी पर्वत बांदा में पंच खंड पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी महाराज के सानिध्य में चल रहे 108 कुंडीय श्रीहरि हरात्मक महायज्ञ में शुक्रवार को यज्ञा चार्य गणेश महाराज ने विद्वान पंडितों के द्वारा यजमानों को1 लाख 21 हजार आहुति दिलवाई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर यज्ञ नारायण भगवान के धोक लगाई।यज्ञ के दौरान शुक्रवार को ब्राह्मण समाज की ओर से भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 10 हजार श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी पाई। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने भंडारा व्यवस्था, जल व्यवस्था, यज्ञ मंडप की व्यवस्था, संत सेवा, यजमान व विद्वानों की सेवा व्यवस्था, चिकित्सा, पुलिस प्रशासन, पार्किंग व्यवस्था मैं सेवाएं दी।मीडिया समन्वयक मामराज सोलंकी ने बताया कि नो दिवसीय अपूर्व धर्म उत्सव के दौरान 29 मई को श्री कृष्ण पांडव परिवार, द्रोपदी, श्याम जी एवं ब्रह्मलीन आचार्य स्वामी धर्मेंद्र महाराज की प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा कार्यक्रम मंगल चंद गर्ग तथा अनिल शर्मा के मुख्य यजमानत्व में वैदिक मंत्रोचार के साथ संपन्न होगा। इसे लेकर श्री पंच खंडपीठ भीम गिरी पर्वत के मध्य स्थित एकादश रुद्र पांडवेश्वर मंदिर के समीप प्रतिष्ठापित होने वाली श्याम जी की प्रतिमा को क्रेन के माध्यम से चढ़ाया गया। यज्ञ के दौरान कथावाचक गणेश महाराज ने दोपहर 1:00 से सांय 4:00 बजे तक संगीतमय राम कथा का वाचन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सोमेंद्र महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया शनिवार को यादव समाज की ओर से भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

बच्चों को सिखाई जिनेंद्र देव की पूजन

श्रुतपंचमी महापर्व पर निकली भव्य जिनवाणी शोभायात्रा

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। श्रुत पंचमी के पावन पर भव्य जिनवाणी शोभायात्रा निकाली गई साथ ही बच्चों को श्री जिनेन्द्र प्रभु की पूजा अर्चना की विधि सिखाई गई। सकल दिगंबर जैन समाज मुरेना के तत्वावधान में नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के सहयोग से 21 मई से श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर में बच्चे, महिला व पुरुष रुचि पूर्वक धार्मिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। सांगानेर से पधारे विद्वत वर्ग ने शहर के बच्चों को जिनेंद्र देव की पूजन विधि सिखाई। शिविर के क्षेत्रीय प्रभारी विद्वत्श्री नवनीत जैन शास्त्री एवं आशीष शास्त्री मबई के निर्देशन में यह शिविर चल रहा है। संस्कार शिविर के दौरान शहर के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में जिनेंद्र देव का पूजन शुद्ध वस्त्रों में करते है। सेवा व समर्पण की भावना से सहयोग शिक्षण शिविर चल रहा है। शिविर चतुर्थ दिन श्रुतपंचमी के महापर्व पर सभी शिविरार्थियों एवं समाज के सभी लोगों ने जिनवाणी माता को सिर पर विराजमान कर बड़े जैन मंदिर मुरैना से भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होकर जैन मंदिर रोड, सदर बाजार, सराफा बाजार, लोहिया बाजार होती हुई बड़े जैन मंदिर आकर के श्री जी का अभिषेक कर जिनवाणी माँ की पूजन बडे धूमधाम करके श्रुतपंचमी महापर्व मनाया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com